राजस्थानी साहित्य : एम. ए. (उत्तरार्द्ध)

परीक्षा, 2016–17

इस परीक्षा में 100–100 अंकों के चार प्रश्न पत्र होंगे।

सप्तम प्रश्न पत्र : साहित्य शास्त्र एवं पाठालोचन

पाठ्य पुस्तकें

इकाई – प्रथम

1. काव्य की परिभाषा, काव्यहेतु, काव्य प्रयोजन, रस सम्प्रदाय, ध्वनि सम्प्रदाय, अंलकार सम्प्रदाय, रीति सम्प्रदाय, वक्रोक्ति सम्प्रदाय, औचित्य सम्प्रदाय।

इकाई – द्वितीय

2. पाश्चात्य साहित्य सिद्धान्तों का सामान्य परिचय (अरस्तु का विरेचन एवं अनुकरण, क्रोंचे का अभिव्यंजनावाद, कालरिज का कल्पना सिद्धान्त)

इकाई – तृतीय

3. राजस्थानी काव्य शास्त्र
   (छंद, अलंकार, काव्यजथा, काव्योक्ति एवं काव्यदोष)

इकाई – चतुर्थ

4. पाठालोचन के सिद्धान्त, पाठालोचन की प्रक्रिया

इकाई – पंचम

5. प्रमुख सम्पादकों की सम्पदान पद्धतियां (टैसीटरी, ठाकुर रामसिंह, सूर्यकरण पारीक, नरोत्तमदास स्वामी, हरिनारायण पुरोहित एवं कन्हैयालाल सहल)

उक्त पांचों इकाईयां तीन खण्ड़ों में विभक्त होंगी, जिनमें निम्न प्रकार अंकों का विभाजन रहेगा।

खण्ड 'अ' इस भाग में पाठ्यक्रम की सभी इकाईयों से कुल दस प्रश्न पुछे जायेगें। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर पचास शब्दों से अधिक न हो। प्रत्येक प्रश्न दो अंकों का होगा। **(10×2=20 अंक)**

खण्ड 'ब' इस भाग में पाठयक्रम की प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जायेंगे, जिसमें से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा। कुल दस प्रश्न होंगे जिनके विकल्प भी इसी इकाई से होंगे। प्रत्येक प्रश्न उत्तर लगभग 250 शब्दों में होगा। प्रश्न दस अंकों का होगा।
(5×10=50अंक)

खण्ड 'स' इस भाग में पाठयक्रम की प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न पूछा जायेंगा, प्रत्येक प्रश्न पन्द्रह अंकों का होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 300 शब्दों में दिया जा सकता है। किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर देने होगें। **(2×15=30अंक)**

टिप्पणी : प्रत्येक इकाई पर आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जा सकते हैं।

संदर्भ ग्रन्थ

1. भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ. भागीरथ मिश्र
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : डॉ. तारक नाथ बाली
3. रघुवर जस प्रकाश : कृष्णा आढा
4. पाण्डुलिपि विज्ञान : डॉ. सत्येन्द्र